

राम लाल बंगाल कल्याण

96/2008

क्र.सं.	दिनांक आह्रा या कार्यवाही	आह्रा विस्तृत रूप से
	14/12/08	<p>पञ्चवली पेशाद्वी प्राणी व उन्नी मधिवस्त्र उपस्थित वही वस्तु ठाणवा प्राणी व उन्नी मधिवस्त्र के बार-बार आवान लगाने की उन्नी डोर सेकीडि की उपस्थित वही होने से प्राणी का प्राणिक फल अथवा दाजरी अथवा पेशी में रखि विपु जाता है पञ्चवली पेशाद्वी के अन्तर्गत ही जो सेगा हो वा लामाव दारिज्य अन्तर है।</p> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; width: fit-content; margin: 10px auto;"> <p style="text-align: center;">उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)</p> </div>